

हौआ स्त्री. (अर.) एक कल्पित प्राणी जिसके नाम का प्रयोग बच्चों को डराने के लिए किया जाता है लाक्ष. कोई भयानक व्यक्ति, वस्तु या काम।

हौआ समझना पुं. (तत्.) कठिन, भयानक, असंभव, समझना।

हौज पुं. (अर.) मकान में पानी एकत्र करने के लिए मिट्टी, पत्थर या धातु की बनी नाँद, छोटा सा कुंड।

हौजा पुं. (फा.) हाथी का हौदा।

हौताशन वि. (तद्.) हुताशन संबंधी, अग्नि संबंधी, अग्नि का।

हौताशनि पुं. (तत्.) 1. स्कंद 2. नील नामक बंदर।

हौतृक वि. (तत्.) होता से संबद्ध, होता का कार्य या पद।

हौद पुं. (तत्.) दे. 1. हौज, हौदी, कुंड 2. मिट्टी, ईंट या धातु की बनी नाँद या अर्थ गोलाकार बड़ा पात्र।

हौदा पुं. (देश.) हाथी की पीठ पर बैठने का आसन जिसे बाँध कर लगाया जाता है जिसके चारों ओर पीठ टिकाने के लिए गद्दी लगी होती है।

हौमीय वि. (तत्.) होम संबंधी, हवन संबंधी।

हौर पुं. (अर.) 1. डर, भय 2. डरावनी चीज, भयानक वस्तु।

हौरा पुं. (अनु.) शोरगुल, हल्ला, कोलाहल।

हौल-जौल स्त्री. (अर.+अनु.) 1. जल्दी, शीघ्रता 2. हड़बड़ी।

हौलदार पुं. (देश.) हवलदार, भारतीय सेना में नायक से ऊपर का एक पद।

हौल-दिला वि. (फा.) कमजोर दिल वाला जिसे जल्दी भय या डर लगे, जो शीघ्र घबरा जाय, डरपोक, भीरु।

हौलदिली स्त्री. (फा.) 1. यशब नामक पत्थर का वह चिपटा छोटा टुकड़ा जिसे माला में पिरोकर गले में पहना जाता है, यह हृदय रोग में लाभकारी माना जाता है 2. कमजोर दिलवाली या भीरु महिला।

हौलनाक वि. (अर.+फा.) भयानक, भयोत्पादक, दिल में डर पैदा करने वाला।

हौलू वि. (देश.) हौल-दिला, डरपोक, कायर।

हौले अव्य. (देश.) 1. धीरे-धीरे, आहिस्ता 2. मंद गति से।

हौले-हौले अव्य. (देश.) 1. धीरे-धीरे, आहिस्ता 2. मंदगति से।

हौवा/हव्वा स्त्री. (अर.) (पुं. हौआ) 1. पैगंबरी मतों के अनुसार सब से पहली-स्त्री जो पृथ्वी पर आदम के साथ पैदा हुई थी और मनुष्य जाति की आदि माता मानी जाती है 2. एक प्रकार का कल्पित विकराल एवं डरावना जंतु जिसके नाम का उपयोग किसी को विशेषकर बच्चों को डराने के लिए किया जाता है।

हौस स्त्री. (अर.हवस.) 1. प्रबल चाह या तीव्र लालसा जिसकी पूर्ति की उत्सुकतापूर्ण प्रतीक्षा हो 2. मन की उमंग या तरंग 3. किसी काम, चीज या बात के प्रति उत्साह, हौसला।

हौसला पुं. (अर.) 1. हौसले के आधार पर मनुष्य का ऐसा साहस या हिम्मत जिसके फलस्वरूप वह किसी प्रकार की प्रसन्नता या संतोष प्राप्त करना चाहता है, उत्साह, उमंग, साहस, हिम्मत 2. पक्षियों के पेट का ऊपरी भाग जिसमें वह चुगे हुए दाने आदि एकत्र करते हैं, पोटा मुहा. हौसला निकालना- जिस बात की उमंग या चाह हो उसे पूरा कर देना; हौसला पस्त होना- प्रयत्न करने पर असफल रहने की स्थिति में मन का उत्साह नष्ट हो जाना; हौसला बढ़ाना/हौसला अफजाई- उत्साह बढ़ाना, प्रोत्साहित करना, उत्साह वर्धन करना; हौसला बुलंद होना- साहस, उत्साह अधिक होना या बढ़ना।